(२) लहेरिया सराय — कोई नहीं ।

(ग) (१) दरभंगा —

१. एक लाउडस्पीकर लगाना ।

२. पूछताछ घर ।

३. स्नान घर (Bathing) (Cubicles) ।

४. प्लेटफार्म को ऊंचा करना और इस पर फर्श बिछाना ।

५. प्लेटफार्म पर और प्रतीक्षालयों में अधिक रोशनी और पंखे ।

६. मध्यवर्ती प्लेटफार्म पर ऊपर से पानी पहुंचाने का प्रबन्ध ।

७. खोमचे की दूकान ।

८. यार्ड को नये नमूने पर बनाना और सिगनलिंग और इन्टर-लौकिंग की पूरी व्यवस्था करना ।

(२) लहेरिया सराय—

१. पार्सल घर और पार्सल गोदाम की व्यवस्था ।

२. हर रेलवे की यात्री–सुविधा समिति यात्री-सुविधा के कामों का वार्षिक कार्यक्रम तैयार करती है । इस समिति में जनरल मैनेजर, इंजिनीयरिंग परिचालन और वाणिज्य विभाग के प्रधान अधिकारी और हर उपभोक्ता सलाहकार समिति के प्रतिनिधि होते हैं । मंजूरी के लिये काम चुनते समय इस बात का ध्यान रखा जाता है कि अमुक वर्ष में कुल कितना धन उपलब्ध है और अलग-अलग स्टेशनों पर उन कामों की क्या महता और आवश्यकता है और वे कितने जल्द किये जाने चाहिये ।

P. and T. Complaints Organisation

565. { **Sardar Hukam Singh :** **Shri Bahadur Singh :**

Will the Minister of **Communications** be pleased to state:

(a) the number of cases received and disposed of, during 1955, by the Complaints Organisation; and

(b) the number of cases of complaints received regarding tardiness of Postal, Telegraph and Telephone Services during this period ?

The Deputy Minister of Communications (Shri Raj Bahadur) :

	Received	*Disposed of*
(a)	4,17,222	4,08,36
(b)	27,338.	

The above figures cover the period from 1-1-1955 to 30-11-55).

Night Schools

566. { **Sardar Hukam Singh:** **Shri Bahadur Singh:**

Will the Minister of **Communications** be pleased to state :

(a) whether any new night schools were opened during 1955 for imparting primary education to Class IV officials of Posts & Telegraphs Department; and

(b) if so, whether any trainees in these night schools have qualified for the High School Examination during this period ?

The Deputy Minister of Communications (Shri Raj Bahadur): (a) Yes, at seven places *viz.* Gauhati, Nainital, Farrukhabad, Ambala, Bilaspur, Akola and New Delhi.

(b) None.

रेलवे के डिब्बे इंजन आदि

५६७. **श्री अमर सिंह डामर** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९५४ में कुल कितने मील लम्बी रेलवे लाइनों पर बिजली की रेल गाड़ियां चलती थीं और उस पर कितने रेलवे के डिब्बे, इंजिन आदि उपयोग में लाये जाते थे ?

रेलवे तथा परिवहन मन्त्री के सलाहकार (श्री शाहनवाज खां) : १९५४–५५ के अन्त में कुल २४०·२४ मील रेलवे